>

Title: Need to check spurious drugs in the country.

श्री जयवंत गंगाराम आवले (लातूर): धन्यवाद सभापति महोदय, दिल्ली एनसीआर सहित पूरे देश में नकली दवाओं का कारोबार 20 से 25 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ रहा है। पिछले दिनों एसोचैम की रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि की है। स्थानीय प्रशासन की मिलीभगत और कानूनी लचर ढर्रे की वजह से इस जानलेवा कारोबार पर अंकुश लगने के बजाय तेजी से फलफूल रहा है। यहां बिकने वाली कुल दवाओं में से करीब 25 प्रतिशत नकली होती है। मगर पैकेजिंग और लेबलिंग की नकल बड़ी सफाई से किए जाने के कारण आम जनता तो दूर डाक्टर भी आसानी से नकली असली की पहचान नहीं कर पाते हैं। इसकी पहचान के लिए दवाओं के सैम्पल की लैब्रोटरी जांच कराई जाए। नकली दवाओं के कारण कई बार डाक्टरों से भी भरोसा उठ जाता है और दूसरी तरफ डाक्टर भी यह सोचकर हैरानी में पड़ जाते हैं कि सब कुछ सही तरीके से करने के बावजूद भी मरीज ठीक क्यों नहीं होता है। दवाओं के सैम्पल की जांच की पर्याप्त व्यवस्था की जानी चाहिए। यह देश स्तर पर होना चाहिए ताकि नकली दवा माफिया पर अंकुश लगाया जा सके।